



वैदिक ज्योतिष (Jyotish) में, मंगल (Mangal) ग्रहों के मंत्रिमंडल का सेनापति (Senapati) है। यह शारीरिक जीवन शक्ति, साहस, महत्वाकांक्षा, इच्छाशक्ति, तकनीकी बुद्धि, भाई-बहनों, अचल संपत्ति और दुनिया में आप खुद को कैसे स्थापित करते हैं, इसका संचालन करता है।

स्वाभाविक रूप से एक उग्र, आक्रामक और गतिशील ग्रह (क्रोध ग्रह) होने के कारण, मंगल जहाँ भी बैठता है, वहाँ एक अजेय गति और प्रतिस्पर्धी ऊर्जा लाता है। हालाँकि, अपनी उष्मा और लड़ाकू स्वभाव के कारण, रिश्तों के प्रति संवेदनशील भावों (पहले, दूसरे, चौथे, सातवें, आठवें और बारहवें) में स्थित होने पर यह मंगल दोष (Mangal Dosha) भी बनाता है, जिसके लिए क्रोध, आवेग और सीमाओं के प्रति सचेत प्रबंधन की आवश्यकता होती है।

प्रथम भाव (लग्न / स्वयं) — मंगल दोष भाव

- मुख्य विषय:** प्रत्यक्ष कर्म, असीम सहनशक्ति, प्रतिस्पर्धी पहचान।
- सकारात्मक प्रभाव:** उच्च शारीरिक सहनशक्ति, सुगठित शरीर, स्वाभाविक नेतृत्व और निडर आत्मविश्वास प्रदान करता है। जातक समस्याओं का समाधान सक्रिय रूप से करने वाला होता है जो बाधाओं का सीधे सामना करता है।
- चुनौतीपूर्ण प्रभाव:** अधीरता, जल्दी गुस्सा आना, सिर में चोट या चेहरे/माथे पर निशान और व्यक्तिगत बातचीत में हावी होने वाला दृष्टिकोण।

द्वितीय भाव (धन भाव / संपत्ति, वाणी एवं परिवार) — मंगल दोष भाव

- मुख्य विषय:** तीक्ष्ण संवाद, संपत्ति अर्जन, पारिवारिक कलह।
- सकारात्मक प्रभाव:** भौतिक धन, संपत्ति और पूंजी संचित करने की तीव्र प्रेरणा। सशक्त, प्रभावशाली और तर्कपूर्ण वाणी जो वाद-विवाद, कानून या उच्च स्तरीय वार्ताओं के लिए अत्यंत अनुकूल है।
- चुनौतीपूर्ण प्रभाव:** कठोर, तीखी या व्यंग्यात्मक वाणी जो परिवार में विवाद का कारण बनती है; गैजेट्स, औजारों या वाहनों पर बिना सोचे-समझे धन खर्च करना।

तीसरा भाव (भातृ भाव / साहस और भाई-बहन)

- मुख्य विषय:** सर्वोच्च इच्छाशक्ति, शारीरिक कौशल, साहसिक पहल।
- सकारात्मक प्रभाव:** एक प्रमुख उपचय स्थान जहाँ मंगल अत्यधिक फलदायी होता है। यह असाधारण साहस, खेलकूद कौशल, इंजीनियरिंग या सर्जिकल क्षमता और निडर उद्यमशीलता की प्रेरणा देता है। प्रतिस्पर्धियों को आसानी से पीछे छोड़ दिया जाता है।
- चुनौतीपूर्ण प्रभाव:** छोटे भाई-बहनों के साथ प्रतिद्वंद्विता या विवाद; अत्यधिक शारीरिक जोखिम उठाने या अनावश्यक आक्रामकता दिखाने की प्रवृत्ति।

चतुर्थ भाव (सुख भाव / गृह, भूमि और माता) — मंगल दोष भाव

- मुख्य विषय:** रियल एस्टेट में निपुणता, घरेलू तनाव, आंतरिक अग्नि।
- सकारात्मक प्रभाव:** भूमि, मकान, कृषि और निर्माण संबंधी संपत्तियों को प्राप्त करने की तीव्र इच्छा। परिवार और मातृभूमि के प्रति अत्यधिक सुरक्षात्मक रवैया।
- चुनौतीपूर्ण प्रभाव:** मंगल का उग्र स्वभाव चतुर्थ भाव के शांत जल को अशांत कर देता है। इसके कारण घरेलू कलह, माता के साथ मतभेद, हृदय/छाती से जुड़ी संवेदनशीलता और आंतरिक भावनात्मक बेचैनी उत्पन्न होती है।

5वां भाव (पुत्र भाव / बुद्धि, रचनात्मकता और सद्भा)

- मुख्य विषय:** रणनीतिक बुद्धि, तकनीकी दक्षता, उत्साही रचनात्मकता।
- सकारात्मक प्रभाव:** तीव्र, गहरी बुद्धि; कोडिंग, इंजीनियरिंग, गणित, खेल कोचिंग और रणनीतिक योजना में उत्कृष्टता। रचनात्मक कार्यों में

उच्च प्रेरणा।

• **चुनौतीपूर्ण प्रभाव:** जल्दबाजी में वित्तीय सट्टेबाजी या जुआ; प्रेम संबंधों में तीखी बहस; गर्भावस्था में जटिलताओं की संभावना या बच्चों के साथ मतभेद।

छठा भाव (शत्रु भाव / शत्रु, ऋण एवं मुकदमेबाजी)

- **मुख्य विषय:** विरोधियों पर अपराजेयता, सूक्ष्म परिशुद्धता, सेवा करने की असीम क्षमता।
- **सकारात्मक प्रभाव:** मंगल के लिए सबसे शक्तिशाली स्थितियों में से एक। मंगल शत्रुओं, कानूनी मुकदमों और प्रतिस्पर्धियों को पूरी तरह से परास्त कर देता है। यह असाधारण रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रदान करता है तथा चिकित्सा, शल्य चिकित्सा (सर्जरी), कानून प्रवर्तन, रक्षा और मुकदमेबाजी (वकालत) में करियर की उत्कृष्ट सफलता देता है।
- **चुनौतीपूर्ण प्रभाव:** सृजन संबंधी समस्याओं, बुखार, कटने-छिलने या एसिडिटी की प्रवृत्ति; अत्यधिक आक्रामक होकर अनावश्यक शत्रु बना लेने का स्वभाव।

7वां भाव (जाया भाव / विवाह और साझेदारी) — मंगल दोष का भाव

- **मुख्य विषय:** अत्यधिक ऊर्जावान साझेदारी, अनुबंधों में टकराव, सामाजिक महत्वाकांक्षा।
- **सकारात्मक प्रभाव:** महत्वाकांक्षी, सक्रिय और सक्षम जीवनसाथी को आकर्षित करता है। प्रतिस्पर्धी व्यापार और व्यावसायिक विस्तार में प्रबल प्रेरणा देता है।
- **चुनौतीपूर्ण प्रभाव:** मंगल दोष का मुख्य स्थान। यदि आपसी धैर्य और शारीरिक ऊर्जा का सही निकास न हो, तो यह तीव्र सत्ता संघर्ष, अहंकार का टकराव, वैवाहिक कलह और अचानक अलगाव का कारण बन सकता है।

8वां भाव (रंझ भाव / परिवर्तन और रहस्य) — मंगल दोष भाव

- **मुख्य विषय:** गुप्त शक्ति, खोजी प्रवृत्ति, जीवन शक्ति में अचानक परिवर्तन।
- **सकारात्मक प्रभाव:** गहन शोध क्षमता, फॉरेंसिक, खनन, सर्जरी, टैक्स ऑडिटिंग और गूढ़ विषयों की जांच में प्रतिभा। आपातकालीन संकटों के दौरान निडर दृष्टिकोण।
- **चुनौतीपूर्ण प्रभाव:** मंगल दोष की शास्त्रीय रूप से तीव्र स्थिति। अचानक दुर्घटनाओं की आशंका, रक्त या प्रजनन स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, सर्जरी, संयुक्त वित्त को लेकर वैवाहिक तनाव और पैतृक संपत्ति को लेकर अचानक विवाद।

नवम भाव (धर्म भाव / उच्च सत्य, दर्शन और पिता)

- **मुख्य विषय:** सत्य के लिए संघर्ष, स्वतंत्र दर्शन, विदेश यात्रा।
- **सकारात्मक अभिव्यक्ति:** न्याय, धर्मसम्मत कार्यों और नैतिक रक्षा के समर्थक। साहसिक यात्राओं, खेल नेतृत्व या कानूनी वकालत के लिए उच्च ऊर्जा।
- **चुनौतीपूर्ण अभिव्यक्ति:** पिता, गुरुओं या पारंपरिक धार्मिक रूढ़ियों के साथ टकराव; वैचारिक हठधर्मिता और दर्शन के प्रति बहसपूर्ण दृष्टिकोण।

10वां भाव (कर्म भाव / करियर, प्रतिष्ठा और अधिकार)

- **मुख्य विषय:** प्रशासनिक अधिकार, पेशेवर विजय, उच्च पद।
- **सकारात्मक प्रभाव:** 10वें भाव में मंगल को दिशा बल (दिग्बल) प्राप्त होता है। यह करियर में प्रतिष्ठा के लिए सबसे श्रेष्ठ स्थिति मानी जाती है, जो उच्च प्रशासनिक पद, सैन्य/पुलिस कमान, कार्यकारी नेतृत्व या इंजीनियरिंग, रियल एस्टेट और उद्योग क्षेत्र में बड़ी सफलता प्रदान करती है।
- **चुनौतीपूर्ण प्रभाव:** काम का अत्यधिक जुनून (workaholism), सत्तावादी प्रबंधन शैली और कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकारियों के साथ तीव्र प्रतिद्वंद्विता।

11वां भाव (लाभ भाव / आय, नेटवर्क और महत्वाकांक्षा)

- **मुख्य विषय:** निरंतर वित्तीय लाभ, प्रभावशाली सहयोगी, पूरे हुए लक्ष्य।
- **सकारात्मक प्रभाव:** एक और उत्कृष्ट उपचय भाव की स्थिति। यह आय के कई स्रोत, भूमि और तकनीकी उद्यमों से लाभ तथा प्रभावशाली,

उच्च उपलब्धि वाले मित्र प्रदान करता है। जातक लगातार महत्वाकांक्षी भौतिक लक्ष्यों को प्राप्त करता है।

• **चुनौतीपूर्ण प्रभाव:** सामाजिक नेटवर्क में हावी होने वाला व्यवहार; बड़े भाइयों के साथ मतभेद या प्रतिस्पर्धा।

12वां भाव (व्यय भाव / विदेश, निद्रा एवं व्यय) — मंगल दोष भाव

• **मुख्य विषय:** विदेशी उपक्रम, गुप्त या अप्रत्याशित खर्च, एकांत में कार्य करने की प्रेरणा।

• **सकारात्मक प्रभाव:** विदेशों में अत्यधिक सफलता, बहुराष्ट्रीय कंपनियों (MNCs), पृथक तकनीकी संस्थानों, रक्षा रसद (डिफेंस लॉजिस्टिक्स) या विदेश में खेलों में बड़ी उपलब्धि।

• **चुनौतीपूर्ण प्रभाव:** अशांत नींद, अत्यधिक सपनों या दबे हुए क्रोध के कारण ऊर्जा का क्षय; चिकित्सा बिलों, जुर्माने या मशीनी मरम्मत पर अप्रत्याशित खर्च; वैवाहिक जीवन में अंतरंगता की कमी (शयन सुख में बाधा)।

<https://astroarpitanath.com/hindi/mars-in-12-houses-of-kundli/>

ज्योतिष केवल मार्गदर्शन के लिए प्रदान किया जाता है। जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए, कृपया किसी योग्य पेशेवर से परामर्श लें।